647510 **BA03HinC105x** **Seat No :_____**

B.A. Semester - 3 (*CBCS*) Examination

Oct/Nov. -2019 [NEW COURSE]

HIN P5 Chayavadi Kavya Sangrah-Lahar Sn.Jayprakash Prasad (Core)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न १ जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न १ 'अरी वरूणा की शांत कछार' कविता का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

प्रश्न २ छायावाद युग की काव्य – प्रवृत्तियों के आधार पर पाठ्यपुस्तक 'लहर' की पठित काव्य – कृतियों की समीक्षा कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न २ 'आह रे, वह अधीर योवन!' कविता का भावार्थ समझाते हुए उसकी भाषा शैली की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न ३ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'शेरसिंह का शस्त्र – समर्पण' कविता का मूल्यांकन कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न ३ 'प्रलय की छाया' काव्य के आधार पर प्रसाद जी की नारी-भावना को आलेखित कीजिए।

प्रश्न ४ 'बिती बिभावरी जाग री' कविता के केन्द्रीयभाव की चर्चा करते हुए उसमें निरूपित कवि के संदेश को स्पष्ट कीजिए। (१४)

अथवा

प्रश्न ४ 'अशोक की चिंता' काव्य में वर्णित सम्राट अशोक के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ५ टिप्पणियाँ लिखिए: (किन्हीं दो) (१४)

(१) 'वसुधा के अंचल पर' शीर्षक की सार्थकता।

(२) 'अब जागो जीवन के प्रभात' में प्रकृति – चित्रण्।

(३) 'ले चल वहाँ भूलावा देकर' कविता का संदेश।

(४) 'तुम्हारी आँखों का बचपन' कविता की प्रणयभावना।

****